

सः/एषः अथवा सा/एषा (एकवचन)

अञ्ज्यास्त्वरूपी

1. उदाहरण के अनुसार वाक्य पुनः लिखिए-

उत्तरम्- (क) सः अथवा सा (लगाकर)-

- | | | |
|---------------------------------|-----------------------|-----------------|
| (i) सः क्रीडति। | (ii) सा छात्रा अस्ति। | (iii) सा गायति। |
| (iv) सः विवादस्य निर्णयं करोति। | (v) सा पाठ्यति। | |

(ख) एषः अथवा एषा (लगाकर)-

- | | | |
|---------------------|------------------|----------------------|
| (i) एषः बालकः। | (ii) एषा बालिका। | (iii) एषा अध्यापिका। |
| (iv) एषः अभिकुमारः। | (v) एषा अक्षिता। | (vi) एषः न्यायाधीशः। |

2. अशुद्धि शोधन कीजिए-

उत्तरम्- (क) बालकः पठति।

(ख) एषः शिक्षकः।

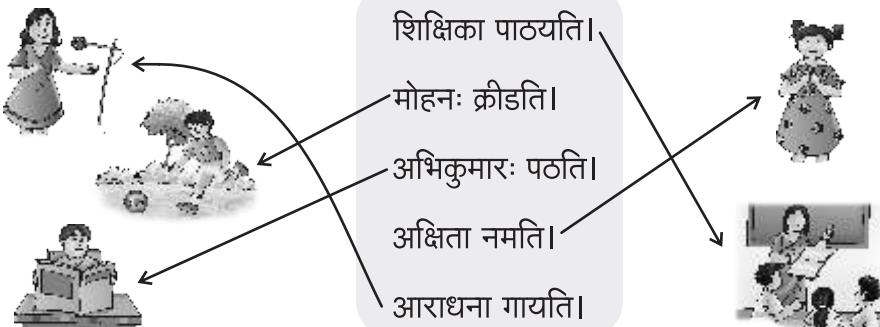
(ग) मोहनः क्रीडति।

(घ) सरला पठति।

(ङ) सा बालिका।

3. परस्पर मेल कीजिए-

उत्तरम्-



4. मञ्जूषा से उचित पद लेकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) किं सः न पठति?

नहि सः न पठति।

सः खेलति।

(ख) अध्यापिका पाठ्यति।

अध्यापिका किं करोति?

सा पाठ्यति।

5. सही शब्द पर (✓) चिह्न प्रदर्शित कीजिए-

उत्तरम्- (क) एषः/एषा रामः।

(ख) एषः/एषा ईश्वरः।

(ग) एषा/एषः अजा।

(घ) सः/सा माता।

(ङ) सा/सः कपिला।

(च) एषः/सा पूजा।

6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) सा पाठ्यति।

(ख) सः बालकः धावति।

(ग) एषः तृणं चरति।

(घ) एषा शिक्षिका अस्ति।

(ङ) बालकः शनैः चलति।

तौ/एतौ अथवा तै/एतै (द्विवचन)

अञ्ज्यास्कृण्ठी

1. चित्र देखकर उत्तर लिखिए-

उत्तरम्-



गजौ चलतः।

अजे चरतः।



छात्रौ नमतः।

बालिके नृत्यतः।



2. कोष्ठक से उचित पद लेकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) बालकौ किं कुरुतः?

(ख) गजौ चलतः।

(ग) तौ क्रीडतः।

(घ) एते बालिके।

(ङ) ते नृत्यतः।

3. परस्पर मेल कीजिए-

उत्तरम्-



बालिके नृत्यतः।
अजा चरति।
बालकः क्रीडति।
बालकौ हसतः।



4. अशुद्धि शोधन कीजिए-

उत्तरम्- (क) महिले हसतः।

(ख) अजे चरतः।

(ग) छात्रौ क्रीडतः।

(घ) गजौ चलतः।

5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) तौ बालकौ पठतः।

(ख) ते बालिके न धावतः।

(ग) एतौ मृगौ किं कुरुत?

(घ) एते अजे चरतः।

(ङ) कौ धावतः।

तै/एतै अथवा ताः/एताः (बहुवचन)

अध्यायस्कृण्ठी

1. नीचे लिखे पदों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (ख) शिक्षिका = श् + इ + क् + ष् + इ + क् + आ
 (ग) वृक्षाः = व् + ऋ + क् + ष् + आ + :
 (घ) छात्राः = छ् + आ + त् + र् + आ + :
 (ङ) अक्षिता = अ + क् + ष् + इ + त् + आ

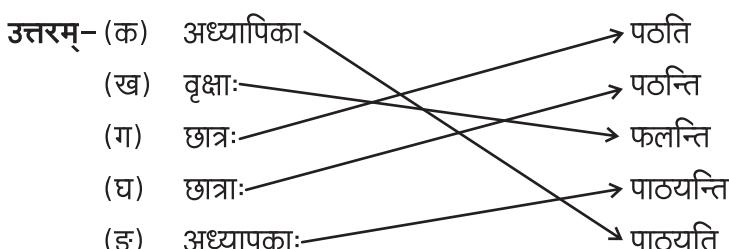
2. वचन के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
छात्रा	छात्रे	छात्राः
सा	ते	ताः
अजा	अजे	अजाः
लता	लते	लताः
शिक्षिका	शिक्षिके	शिक्षिकाः
अध्यापिका	अध्यापिके	अध्यापिकाः
चटका	चटके	चटकाः
छात्रा	छात्रे	छात्राः

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य पुनः लिखिए-

- उत्तरम्- (क) ताः पठन्ति। (ख) ते फलन्ति। (ग) ते नृत्यन्ति।
 (घ) ते कूर्दन्ति। (ङ) ताः खादन्ति।

4. परस्पर मेल कीजिए-



5. सही शब्द पर (✓) का चिह्न प्रदर्शित कीजिए-

- उत्तरम्- (क) ते/ताः बालका:। (ख) एते/एताः बालका:। (ग) एते/एताः बालिके।
 (घ) ते/ताः बालिका:। (ङ) एते/एताः वृक्षाः।

6. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

7. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए-

उत्तरम्- वृक्षाः छायां यच्छन्ति।

सः पठति।

बालिके गायतः।

ते छात्रे पठतः।

ताः बालिकाः नृत्यन्ति।

छात्रः लेखं लिखति।

8. निम्नलिखित सर्वनामों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- ते बालिकाः गच्छन्ति।

एताः छात्राः सन्ति।

सा दुर्घां पिबति।

एते मृगाः धावन्ति।

तौ शशकौ स्तः।

यूयं किं कुरुथ?

ताः बालिकाः हसन्ति।

सः फलं खादति।

ताः काः सन्ति?

चतुर्थः पाठः

4

अहं त्वं च

अङ्ग्रेज़ीकृण्ठी

1. (क) उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्-	(i) त्वं वदसि।	(ii) त्वं नमसि।	(iii) त्वं पचसि।	(iv) त्वं लिखसि।
	अहं वदामि।	अहं नमामि।	अहं पचामि।	अहं लिखामि।

2. रंगीन पद को शुद्ध कीजिए-

उत्तरम्- (क) त्वं किं सत्यं वदसि?	(ख) त्वं सायं नमसि।	(ग) अहं प्रातः पठामि।
(घ) अहं प्रतिदिनं क्रीडामि।	(ङ) अहं सत्यं वदामि।	(च) अहं सत्यं वदामि।

3. परस्पर मेल कीजिए-

उत्तरम्- सः	→ गच्छतः।
तौ	→ पठामि।
ते	→ वदति।
त्वम्	→ गच्छसि।
अहम्	→ पठन्ति।

4. निम्नलिखित पदों के सभी वचनों से प्रथमा विभक्ति के रूप लिखिए-

उत्तरम्- पद	विभक्ति:	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पत्रम्	प्रथमा	पत्रम्	पत्रे	पत्राणि
पुष्पम्	प्रथमा	पुष्पम्	पुष्पे	पुष्पाणि
फलम्	प्रथमा	फलम्	फले	फलानि
जलम्	प्रथमा	जलम्	जले	जलानि

5. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- कालिके विकसतः।

महिलाः गीतं गायन्ति।

बालिका जलं पिबति।

त्वं किं पठसि?

अहं कथां पठामि।

आम्, अहं न क्रीडामि।

6. निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) गच्छतः = गच्छ + तः
 (ग) वदति = वद् + ति
 (द) गच्छन्ति = गच्छ + अन्ति

- (ख) पठामि = पठ् + आमि
 (घ) गच्छसि = गच्छ + सि

7. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

पञ्चमः पाठः

5.

युष्मद् (त्वम्) अस्मद् (अहम्)

अश्यास्तकण्ठी

1. उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

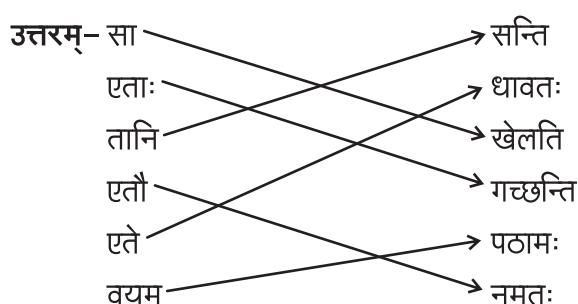
2. उदाहरण के अनुसार वाक्य लिखिए-

- उत्तरम्- (क) बालकौ पठतः। (ख) बालकौ गच्छतः। (ग) छात्रौ धावतः।
 (घ) बालिके नमतः। (ङ) छात्रे क्रीडतः।

3. उचित क्रिया पद द्वारा वाक्य पूरे कीजिए-

- उत्तरम्- (क) त्वम् अद्य किं करोषि? (ख) आवाम् अत्र पठावः। (ग) वयम् अधुना चलामः।
 (घ) युवाम् अस्मभ्यं फलानि यच्छतः। (ङ) यूयम् अस्मिन् स्थाने तिष्ठथ।

4. सर्वनाम पदों को क्रिया पदों से मिलाइए-



5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) मैं संस्कृत पढ़ता हूँ।

- (ख) तुम दोनों कहाँ जाते हो?
 (ग) घर में उत्सव है।
 (घ) हम भी प्रतिभाग करने चाहते हैं।
 (ङ) तुम क्या करते हो?

कर्ता कारकः (प्रथमा विश्वकितः)

अञ्जयास्कृण्ठी

1. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) बालकः चित्रं पश्यति। (ख) वायसः काकयति। (ग) पिकः कूजति।
 (घ) उभयोः वर्णः कृष्णः अस्ति। (ड) गजाः मन्दं मन्दं गच्छन्ति।

2. इन दोनों पदों में से उचित पद के द्वारा प्रश्न निर्माण कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कः पुष्टं जिघ्रति? (ख) कः अत्र आगच्छति? (ग) के तत्र गच्छन्ति?
 (घ) के स्वपन्ति? (ड) के चरन्ति?

3. उदाहरण के अनुसार वचन परिवर्तन कीजिए-

- उत्तरम्- (क) छात्रः पठति। (ख) बालकः पश्यति। (ग) सिंहः गर्जति। (घ) पिकः कूजति।
 (ड) बालकः नमति। (च) काकः काकयति। (छ) त्वं पठसि।

4. रंगीन पद को शुद्ध कीजिए-

- उत्तरम्- (क) जिघ्रामि। (ख) तिष्ठामि। (ग) रक्षामः।
 (घ) पश्यामि। (ड) तिष्ठामि। (च) सीदामः।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) कः वदति? (ख) काकः काकयति। (ग) काकः-पिकयोः किम् अन्तरम् अस्ति?
 (घ) शुकः वदति। (ड) अयं बालकः कांकं पश्यति।

6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) हाथी क्या कर रहे हैं? (ख) कौआ काँव-काँव करता है। (ग) कोयल मधुर कूकती है।
 (घ) दो बालक नमस्कार करते हैं। (ड) बालक देखता है।

7. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

एतत् /तै/एतानि किम् ?

अञ्जयास्कृण्ठी

1. प्रश्नों के उत्तर रिक्त स्थानों में लिखिए-

- उत्तरम्- (क) फलकेन सह आसनम् अस्ति। (ख) कलमाभ्यां सह मसिपात्रे स्तः।
 (ग) एतानि चत्वारि आम्रफलानि सन्ति। (घ) वृक्षेषु फलानि सन्ति। (ड) फलानां संख्या सप्त अस्ति।

2. इनमें से उचित पद का प्रयोग करके प्रश्न निर्माण कीजिए-

उत्तरम्- (क) संख्यायाः कृति फलानि सन्ति?

(ग) पञ्च कानि सन्ति?

(ड) संख्यायाः सप्त कानि सन्ति?

(ख) एतानि आताफलानि कृति सन्ति?

(घ) संख्यायाः एकादशानि कानि सन्ति?

3. उदाहरण के अनुसार वाक्य पूरा कीजिए-

उत्तरम्- (क) षट् मसिपात्राणि सन्ति।

(ख) दश आताफलानि।

(ग) द्वादश पुष्पाणि सन्ति।

(घ) पञ्चदश पत्राणि सन्ति।

4. संख्याओं को पढ़िए और जोड़िए-

उत्तरम्- (क) पञ्च



+

दश



= पंद्रह आइसक्रीम

(ख) अष्ट



+

सप्त



= पंद्रह गाजरें

(ग) षट्



+

सप्त



= तेरह गेंदें

(घ) नव



+

चत्वारः



= तेरह टोपियाँ

(ड) एकम्



+

एकम्



= दो संतरे

5. एक से बीस तक की गिनती संस्कृत में लिखिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

अष्टमः पाठः

8

कर्म कारकः (द्वितीया विश्वकितः)

अश्यास्कृण्ठी

1. उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. रंगीन पदों के वचन परिवर्तन करके वाक्यों को पुनः लिखिए-

- उत्तरम्- (क) अहं पत्राणि पठामि। (ख) त्वं नगराणि गच्छसि। (ग) अहं कार्याणि करोमि।
(घ) अहं नारिकेलानि आनयामि। (ङ) वयं पुस्तकानि पठामः।

3. पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर पूर्ण कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वयं आवासकक्षे दूरदर्शनं पश्यामः। (ख) अहं रात्रिं शयनकक्षे गच्छामि। (ग) अहं प्रतिदिनं स्नानं करोमि।
(घ) जननी सूपम् ओदनं च पचति। (ङ) पादपः नः पुष्पाणि ददाति।

4. प्रश्न निर्माण कीजिए-

- उत्तरम्- (क) अहं कुत्र गच्छामि? (ख) ग्रामं परितः के सन्ति? (ग) त्वं किं पृच्छसि?
(घ) सः कुत्र गच्छति?

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सः ग्रामं गच्छेत्। (ख) सः विद्याम् अपठत्। (ग) त्वं ज्ञानं ध्यानं च इच्छसि।
(घ) अहं विद्या अस्मि। (ङ) एषः आवासकक्षः अस्ति।

6. अशुद्धि दूर कीजिए-

- उत्तरम्- (क) त्वम् असत्यं न वद। (ख) त्वं गृहे प्रविश।
(ग) त्वं मालाकारात् पुष्पम् आनयसि। (घ) दुर्जनाय घिक्।

7. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) यहाँ मैं स्नान करता हूँ। (ख) फूल देवतुल्य होते हैं। (ग) संजय फूल लाता है।
(घ) वह भी पौधा सींचता है। (ङ) यहाँ मैं पौधा लगा रहा हूँ।

8. याद कीजिए-

- उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

नवमः पाठः

9.

करण कारकः (तृतीया विश्वकितः)

अभ्यासक्रणी

1. उच्चारण कीजिए-

- उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. एक पद में उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) मित्रैः। (ख) बालुकाभिः। (ग) कन्दुकेन। (घ) तेन।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) मोहन देखता है। (ख) लड़कियाँ खेलती हैं। (ग) वे दोनों जाते हैं।
(घ) बंदर खाते हैं। (ङ) छात्र पढ़ते हैं।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) बालकाः मित्रैः सह क्रीडन्ति। (ख) जनाः नौकाभिः तरन्ति। (ग) अंकुरः अत्र मित्रेण सह क्रीडति।

(घ) बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति। (ङ) ते कन्दुकं पादेन क्षिपन्ति।

5. निम्नलिखित वर्णों को जोड़िए-

- उत्तरम्- (क) न् + अ + य् + अ + न् + अ = नयन
(ख) ग् + आ + य् + इ + क् + आ = गायिका
(ग) र् + अ + च् + अ + य् + अ + त् + इ = रचयति
(घ) च् + अ + र् + व् + अ + स् + इ = चर्वसि

6. तृतीया विभक्ति का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए-

- उत्तरम्- (क) बालिका बालकैः सहः पठन्ति। (ख) सः कलमेन लिखति।
(ग) त्वं कन्दुकेन क्रीडसि। (घ) मृगाः मृगैः सह धावन्ति।
(ङ) सः दण्डेन ताडयति।

7. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

- उत्तरम्- (क) चलति → नौकाभिः
(ख) क्रीडन्ति → हस्तेन
(ग) क्षिपन्ति → पादेन
(घ) विहरन्ति → कन्दुकैः
(ङ) लिखति → मुखेन्
(च) खादति → कलमेन

8. नीचे लिखे शब्दों के तृतीया विभक्ति में रूप लिखिए-

उत्तरम्- छात्राः	छात्रेण	छात्राभ्याम्	छात्रैः
रामः	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
शिक्षकः	शिक्षिक्या	शिक्षिकाभ्याम्	शिक्षिकाभिः
शिष्या	शिष्य्या	शिष्याभ्याम्	शिष्याभिः
आप्रम्	आप्रेण	आप्राभ्याम्	आप्रैः
पुस्तकम्:	पुस्तकेन	पुस्तकाभ्याम्	पुस्तकैः

9. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

दृश्यम्: पाठः

10.

सम्प्रदान कारकः (चतुर्थी विश्वकितः)

अध्यात्मकृष्णी

1. एक पद में उत्तर दीजिए-

- उत्तरम्- (क) परोपकाराय। (ख) प्रसादम्। (ग) पुस्तकम्। (घ) गुरुभ्यः।

2. दिए गए शब्दों से उचित पद छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- | | |
|---|--|
| उत्तरम्-(क) अहं निर्धनाय वस्त्रं यच्छामि। | (ख) शिक्षिका छात्राभ्यः पुस्तकानि आनयति। |
| (ग) त्वं पुस्तकाय आपणं गच्छसि। | (घ) बालकौ जनकेन सहः विद्यालयं गच्छतः। |
| (ड) छात्रः अध्यापकं प्रश्नं प्रच्छति। | |

3. कोष्ठक में से उचित पद का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- | | |
|---|---|
| उत्तरम्-(क) सीता रामेण सह वनं गच्छति। | (ख) धनिकः निर्धनाय धनं ददाति। |
| (ग) बालः जनकेन सहविद्यालयं गच्छति। | (घ) अहम् शटिकया क्रीडाक्षेत्रं गच्छामि। |
| (ड) प्राचार्यः छात्रेभ्यः पारितोषिकं ददाति। | |

4. चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए-

- | | |
|--------------------------------|------------------------------------|
| उत्तरम्-(क) शिक्षकाय नमः। | (ख) दिनेशः मित्राय पुस्तकं यच्छति। |
| (ग) सज्जनाः परोपकाराय जीवन्ति। | (घ) माता भिक्षुकाय अन्नं ददाति। |

5. रंगीन पदों को शुद्ध करके पुनः लिखिए-

- | | |
|--|------------------------------------|
| उत्तरम्-(क) जनकः पुत्राय फलानि यच्छति। | (ख) नृपः याचकाय धनं यच्छति। |
| (ग) अहम् अश्वं पश्यामि। | (घ) त्वं मित्रेण सह भ्रमसि। |
| (ड) वयम् अध्यापकेभ्यः पुष्पाणि अनयामः। | (च) पिता बसयानेन कार्यालयं गच्छति। |

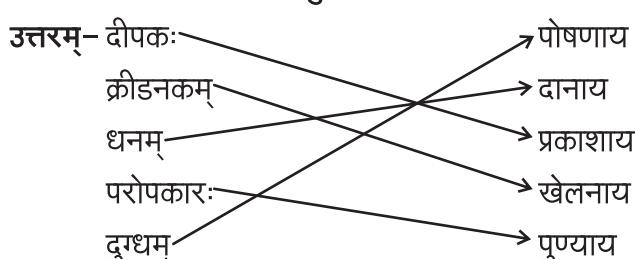
6. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|---|---|
| उत्तरम्-(क) वह मित्र को पुस्तकें देता है। | (ख) रश्मि अपनी माता के लिए दूध लेती है। |
| (ग) माता बालक को भोजन देती है। | (घ) वे देवों को नमस्कार करते हैं। |
| (ड) छात्र गुरुओं को नमस्कार करते हैं। | |

7. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|--------------------------------------|-----------------------------|
| उत्तरम्-(क) बालकाय मोदकं निर्मापयति। | (ख) नद्यः परोपकाराय वहन्ति। |
| (ग) पिता पुत्राय कन्दुकम् आनयति। | (घ) तौ देवाय प्रणमतः। |
| (ड) माता बालकाय भोजनं ददाति। | |

8. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-



9. चतुर्थी विभक्ति के रूप लिखिए-

उत्तरम्- शब्दः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
स्वतन्त्रता	स्वतन्त्रतायै	स्वतन्त्रताभ्याम्	स्वतन्त्राभ्यः
बालकः	बालकाय	बालकाभ्याम्	छात्रेभ्यः
छात्रः	छात्राय	छात्राभ्याम्	छात्रेभ्यः
नरः	नराय	नराभ्याम्	नरेभ्यः
बालिका	बालिकायै	बालिकाभ्याम्	बालिकाभ्यः
रमा	रमायै	रमाभ्याम्	रमाभ्यः

अपादान कारकः (पञ्चमी विश्वकितः)

अ॒ष्ट्यौस्त्कृष्टी

1. उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) ग्रामात् बहिः बालिका गच्छति।

(ख) सर्पात् बालकः विभेति।

(ग) तौ विद्यालयात् गृहं गच्छतः।

(घ) मेघात् जलं पतति।

(ड) वानरः वृक्षात् कूर्दति।

3. रंगीन पदों को बहुवचन में बदलिए-

उत्तरम्- (क) वानराः वृक्षेभ्यः पतन्ति।

(ख) मेघेभ्यः जलं पतति।

(ग) छात्राः पुस्तकालयेभ्यः पुस्तकानि आनयन्ति।

(घ) ते कूपेभ्यः जलम् आनयन्ति।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) सः कूपात् जलम् आनयति।

(ख) पिता आपणात् फलानि आनयति।

(ग) सः गृहात् विद्यालयं गच्छति।

(घ) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

(ड) सः अश्वात् पतति।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) चोर सैनिक से डरता है।

(ख) हिरन खेत से निकलते हैं।

(ग) बादल से पानी गिरता है।

(घ) डालियों से पत्ते गिरते हैं।

(ड) वह बाजार से फल लाता है।

(च) विद्या विनय देती है।

6. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए-

उत्तरम्- शब्दाः बहुवचनम्

शब्दाः बहुवचनम्

(क) नगरात् नगरेभ्यः

(ख) वृक्षात् वृक्षेभ्यः

(ग) जलात् जलेभ्यः

(घ) पुस्तकात् पुस्तकेभ्यः

(ड) कलमात् कलमेभ्यः

(च) छात्रात् छात्रेभ्यः

7. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क) विद्यालयः विद्या + आलयः

(ख) पुस्तकालयः पुस्तक + आलयः

(ग) पुस्तकानि पुस्तक + आनि

(घ) धनमोजोति धनम् + आज्ञोति

8. उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- शब्दाः एकवचनम्

द्विवचनम्

बहुवचनम्

बालक

बालकात्

बालकाभ्याम्

बालकेभ्यः

बालिका

बालिकायाः

बालिकाभ्याम्

बालिकाभ्यः

पुस्तक

पुस्तकात्

पुस्तकाभ्याम्

पुस्तकेभ्यः

वृक्ष	वृक्षात्	वृक्षाभ्याम्	वृक्षेभ्यः
आपण	आपणात्	आपणाभ्याम्	आपणेभ्यः
अश्व	अश्वात्	अश्वाभ्याम्	अश्वेभ्यः
गंगा	गंगायाः	गंगाभ्याम्	गंगाभ्यः
उद्यान	उद्यानात्	उद्यानभ्याम्	उद्यानेभ्यः

9. विभक्ति व वचन लिखिए-

उत्तरम्- विद्यालयात्	पञ्चमी	एकवचनम्
वृक्षेभ्यः	पञ्चमी	बहुवचनम्
प्राचीनकालात्	पञ्चमी	एकवचनम्
पात्रात्	पञ्चमी	एकवचनम्
बालिकाः	प्रथमा	बहुवचनम्
नराः	प्रथमा	बहुवचनम्
पुस्तकेभ्यः	पञ्चमी	एकवचनम्

10. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

द्वादशः पाठः

12.

सम्बन्ध कारकः (षष्ठी विभक्तिः)

अध्यास्तकण्ठी

1. उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) तडागस्य अनेके वृक्षाः सन्ति।

(ख) अयं विक्रान्तस्य विद्यालयः अस्ति।

(ग) छात्राणां पितृजनाः आगच्छन्ति।

(घ) विक्रान्तस्य मित्रं मेलापके आगच्छन्ति।

3. संस्कृत में उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) अयं ग्रामस्य सरोवरः अस्ति।

(ख) वृक्षाणां फलानि मधुराणि सन्ति।

(ग) तत्र भ्रमराः गुज्जन्ति।

(घ) पुष्पाणां सुगन्धं मधुरं भवति।

4. रंगीन पद को एकवचन में बदलिए-

उत्तरम्- (क) पुष्पस्य सुगन्धः।

(ख) वृक्षस्य फलानि।

(ग) बालकस्य पुस्तकम्।

(घ) मेघस्य गर्जनम्।

5. दिए गए शब्दों के रूप षष्ठी विभक्ति में लिखिए-

उत्तरम्- शब्दाः एकवचनम्

द्विवचनम्

बहुवचनम्

नरः

नरस्य

नरयोः

नराणाम्

वानरः	वानरस्य	वानरयोः	वानराणाम्
तडागः	तडागस्य	तडागयोः	तडागानाम्
शुकः	शुकस्य	शुकयोः	शुकानाम्
मेलापकः	मेलापकस्य	मेलापकयोः	मेलापकानाम्
जनकः	जनकस्य	जनकयोः	जनकानाम्
पुस्तकम्	पुस्तकस्य	पुस्तकयोः	पुस्तकानाम्
बालिका	बालिकायाः	बालिकयोः	बालिकानाम्

6. रंगीन शब्दों में प्रश्न का निर्माण करो-

- उत्तरम्- (क) कस्मात् पत्राणि पतन्ति?
 (ग) शिक्षिका काश्यः पुस्तकानि यच्छति?
- (ख) सः केन सह आपणं गच्छति?
 (घ) इदं कस्य गृहम् अस्ति?

7. याद कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

8. विभक्ति वचन लिखिए-

उत्तरम्-	शब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	देशस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ख)	मित्रस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	ग्रामाणाम्	षष्ठी	बहुवचनम्
(घ)	बालकयोः	षष्ठी	द्विवचनम्
(ङ)	मेलापकस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(च)	अस्माकम्	षष्ठी	बहुवचनम्
(छ)	जनकस्य	षष्ठी	एकवचनम्

नियोदशः पाठः

13.

अधिकरण कारकः (सप्तमी विभक्तिः)

अञ्ज्यास्तकृष्टी

1. उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) एतत् लवस्य उद्यानम् अस्ति।

(ख) मत्स्याः जले तरन्ति।

(ग) सरोवरे कमलानि विकसन्ति।

(घ) अस्मिन् उद्याने मृगाः, चटकाः, शुकाः, मयूरः इत्यादयः विचरन्ति।

(ङ) जलेमत्स्याः सन्ति।

(च) बालकाः बालिकाश्च भ्रमन्ति।

3. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की उचित विभक्ति का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए-

उत्तरम्- (क) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।

(ख) शिविरे सैनिकाः निवसन्ति।

- (ग) मसिपात्रे मसि न अस्ति।
4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-
- उत्तरम्- (क) मत्स्याः तरन्ति।
 (घ) मृगः उद्याने धावति।
5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-
- उत्तरम्- (क) यहाँ नाना प्रकार के वृक्ष हैं।
 (घ) तालाब में स्वच्छ जल है।
6. तालिका को पूरा कीजिए-
- उत्तरम्- वानरे वानरयोः
 सरोवरः सरोवरयोः
 पत्रे पत्रयोः
 विद्यायाम् विद्ययोः
 पुष्टे पुष्टयोः
 जने जनयोः
7. नीचे लिखे पदों में मूलशब्द, विभक्ति व वचन लिखिए-
- उत्तरम्- पदमूल शब्दाः विभक्तिः वचनम्
 नरेषु नरः सप्तमी बहुवचनम्
 वानरस्य वानरः षष्ठी बहुवचनम्
 वृक्षाणाम् वृक्षः षष्ठी बहुवचनम्
 बालकेभ्यः बालकः चतुर्थी/पञ्चमी बहुवचनम्
 पुष्पाणि पुष्टम् प्रथमा/द्वितीया बहुवचनम्
 वानरेभ्यः वानरः चतुर्थी/पञ्चमी बहुवचनम्
 ग्रामाणाम् ग्रामः षष्ठी बहुवचनम्
 पुस्तकयोः पुस्तकम् षष्ठी/सप्तमी द्विवचनम्
8. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-
- उत्तरम्- अस्मिन् उद्याने अनेके वृक्षः सन्ति।
 जलाशये नौका: तरन्ति।
9. याद कीजिए-
- उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।
- (घ) धरायां रत्नानि सन्ति।
- (ख) सरोवरे कमलानि विकसन्ति।
 (ड) बालिकाः पुस्तकानि पठन्ति।
- (ख) तोता पका फल खाता है।
 (ड) जल में बहुत-सी मछलियाँ भी तैरती हैं।
- (ग) तालाब में कमल खिलते हैं।

चतुर्दशः पाठः

14

सम्बोधन कारकः (सम्बोधनम्)

अभ्यासकृण्ठी

1. उच्चारण कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) मोहनस्य मित्रस्य ग्रामः ज्वालापुरम् अस्ति।

(ख) ग्रामे कृषि-कार्यं भवति।

(ग) वर्षाकाले कृषकाः क्षेत्रेषु मकुष्टकः, द्विदलम्, धान्यानि च वपन्ति।

(घ) शीतकाले कृषकाः क्षेत्रेषु गोधूमाः, यवाः चणकाश्च वसन्ति।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) अहं श्वः ग्रामं गमिष्यामि।

(ख) तस्य नाम ज्वालापुरम् अस्ति।

(ग) तत्र मम जनकः जननी च वसतः।

(घ) वर्षा ऋतौ कृषिकार्यः भविष्यति।

(ड) अधुना तत्र किं कार्यं भवति?

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) रविः विद्यालयं गमिष्यति।

(ख) अयं मम ग्रामः अस्ति।

(ग) मम ग्रामे बहवः कृषकाः सन्ति।

(घ) कृषकाः कृषिः कुर्वन्ति।

(ड) शुभं ते भवतु।

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) वर्षा ऋतु में कृषिकार्य होगा।

(ख) वहाँ मेरे पिता और मामा रहते हैं।

(ग) उसका नाम ज्वालापुरम् है।

(घ) मैं कल गाँव जाऊँगा।

(ड) मेरा गाँव यहाँ से बीस किलोमीटर है।

6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) तत्र मम पितामहः वसित।

(ख) मम ग्रामे एक चिकित्सालयः अस्ति।

(ग) तस्य ग्रामः इतः पाश्वे एव अस्ति।

(घ) अहमपि श्वः ग्रामं प्रति गमिष्यामि।

(ड) प्रायः कृषकाः ग्रामेषु निवसन्ति।

7. नीचे लिखे क्रिया पदों को लृट्लकार में बदलिए-

उत्तरम्- (क) भविष्यति

(ख) क्रीडिष्यन्ति

(ग) गमिष्यथः

(घ) पठिष्यथ

(ड) नंस्यामि

(च) भविष्यावः

(छ) चलिष्यामः

(ज) पतिष्यति

8. सही स्थान पर सम्बोधनकारक का चिह्न प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) रवि! त्वं कुत्र गच्छसि?

(ख) मोहन! अहं विद्यालयं गच्छामि।

(ग) रवि! आगच्छ, आवां विद्यालयं गच्छेव।

पञ्चदशः पाठः

15

प्रकृतिः

अश्यास्कृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) वृक्षे सहोदरौ शुक्रौ निवसतः स्म।

- (ख) प्रथमः चौराणां बस्तौ पतितः अपरश्च ऋषीणामाश्रमे।
- (ग) चौराणां बस्तीषु पतितः शुकः तान् मारणादिकं कर्म कुर्वतः अपश्यत्।
- (घ) एकः नृपतिः आखेटनार्थं रथम् आरुह्य चौर-बस्तीम् आगतः।
- (ङ) ऋषीणाम् आश्रमे स्थितस्य अपरश्य शुकस्य मधुरां ध्वनिं श्रुत्वा राजा आश्चर्यचकितः बभूव।

2. निम्नलिखित शब्दों में प्रश्न-निर्माण कीजिए-

- | | |
|---|--|
| उत्तरम्- (क) कस्मात् शुकौ प्रत्यविज्ञानेन काठिन्यम् आस्तामम्? | (ख) शुकौ कस्मात् भीतः उड्डीनौ अभवताम्? |
| (ग) नृपतिः धावन् कुत्र प्रविष्टः? | (घ) ऋषयः कुत्र गतवन्तः सन्ति? |
| (ङ) कः जाइयं धियो हरति? | |

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|---|-----------------------------------|
| उत्तरम्- (क) तौ रङ्गरूपयोः समानौ आस्ताम्। | (ख) तयोः एकः चौराणां बस्तौ अपतत्। |
| (ग) तदा राजा एकम् आर्त्तनादम् अशृणोत्। | (घ) ऋषयः भिक्षार्थं गताः सन्ति। |
| (ङ) एकस्मिन् वृक्षे द्वौ सहोदरौ निवसतः स्म। | |

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- | | |
|---|---------------------------------------|
| उत्तरम्- (क) पेड़ों की जड़ें भी काँप गई थीं। | (ख) राजा डर गया। |
| (ग) राजा रथ से उत्तरकर विस्मयपूर्वक इधर-उधर घूमा। | (घ) संगति का प्रभाव अवश्य ही होता है। |
| (ङ) आश्रम में सब जगह सन्नाटा था। | |

5. रंगीन पदों को शुद्ध कीजिए-

- | | |
|--|--|
| उत्तरम्- (क) संगतेः प्रभावः अवश्यमेव भवति। | |
| (ख) सत्संगतिः मानोन्नति पापमपाकरोति। | |
| (ग) सङ्गतिः पारवशाद् अस्मद् गुणाः पृथक्-पृथक् सन्ति। | |
| (घ) तद् सदृशः काचिद् एकः शुकः दृष्टः अस्ति परन्तु सः दुष्टः आसीत्। | |
| (ङ) नृपतिः रथात् अवतीर्य सविस्मयं भूत्वा इतस्ततः अपश्यत्। | |

6. निम्नलिखित वाक्यों में द्वितीया विभक्ति वाले पद को छाँटकर लिखिए-

- | | | |
|--------------------|-------------------------|-----------|
| उत्तरम्- (क) शुकौ। | (ख) लीनान्, जनान्। | (ग) रथम्। |
| (घ) आर्त्तनादम्। | (ङ) अनुचितान्, आचरणान्। | |

7. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- नृपतिः रथात् अवतीर्य आश्रमे प्रविष्टः।
रजकस्य गृहे एकः चौरः प्रविष्टः।
कश्चिद् नृपः रथमारुह्य वने आखेटनाय अगच्छत्।
तौ आखेटनार्थम् अगच्छताम्।
शुकः चौराणां बस्तीषु इतस्ततः अभ्रमत्।

8. निम्नलिखित का हिंदी में अर्थ लिखिए-

- उत्तरम्- अर्थ-सत्संगति बुद्धि की जड़ता (मूर्खता) को हरती है, वाणी की सत्यता को सींचती है, मान-सम्मान में उन्नति करती है, पापादि को दूर करती है।

अ॒श्वद्धूस्कृण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) सारमेयस्य पुच्छं मठ्ठरपन प्रतीकं मन्यते।
 (ख) वैज्ञानिकमतेन सर्वाणि कथनानि निरर्थकानि सन्ति।
 (ग) मुण्डस्पर्शयुक्तकर्णेन दृढशरीरेण दृढपुच्छेन युक्तः सारमेयः जनं स्वदन्तैः कर्तनाय उद्यतः दृश्यते।
 (घ) यदा नीचैकृत कर्णाभ्यां लुण्ठनकृत पुच्छेन मार्जनं करोति तदा सारमेयस्य विनप्रताया पराकाष्ठा प्रकटी भवति।
 (ङ) जिआर्जिओ वेल्लेर्टिगारा महोदयेन 'करेन् बायोलोजी' नाम्यां पत्रिकायां सारमेयस्य पुच्छ परिभ्रमन् सम्बन्धी स्वशोधपत्रं प्रकाशितम्।

2. निम्नलिखित शब्दों से प्रश्न-निर्माण कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सारमेयः स्वपुच्छेन किं प्रकटी करोति?
 (ख) केन सारमेयस्य पुच्छलव्यवहारं प्रकटितम्?
 (ग) के सारमेयस्य पुच्छतिविज्ञाने नवज्ञानं प्रकाशयन्ते?
 (घ) केषु मस्तिष्कस्य वामभागे सम्बन्धं प्रेम, परस्परमेलनं संतुष्ट्यादि सकारात्मक भावनाभिः मन्यते?
 (ङ) भय-वित्तिष्ठा यतिभावोदासीनता इव नकारात्मक-भावनाभिः कुत्र व्यवस्थिता?

3. निम्नलिखित वाक्यों में से करण कारक वाले पद छाँटिए-

- उत्तरम्- (क) वैज्ञानिकमतेन। (ख) पुच्छेन। (ग) नीचैकृतकर्णेन।
 (घ) पादेन, आर्तनादेन। (ङ) दण्डेन।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) उनका कथन है कि कुत्तों की पूँछें उनके मानसिक व्यवहार को उद्दधाटित करती हैं।
 (ख) वैज्ञानिक कुत्ते की पूँछ की गति के विशेष ज्ञान में नया ज्ञान प्रकाशित करते हैं।
 (ग) यह खोज कुत्तों के साथ रहने वाले लोगों को भी आश्चार्यचकित कर सकती है।
 (घ) इस तरह कुत्ते भी अपनी भावना प्रकटित करते हैं।

5. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सारमेयः स्वपुच्छं भ्रामयति। (ख) सारमेयः पुच्छं परिभ्राम्य-स्वभावनां प्रकटी करोति।
 (ग) सारमेयस्य कर्णां अपि स्वभावं प्रकटयतः। (घ) सारमेयस्य पुच्छे अन्वेषण क्रियते।
 (ङ) मनुष्यस्य मस्तिष्कस्य वामभागः प्रेमभावनां प्रकटयति।

6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- परोपकारयुक्तं जीवनं सार्थकं भवति। प्रातः भ्रमणेन मानसिक बलं वर्धते।
 विनप्रताया: एव मानवस्य सम्मानं भवति। वैज्ञानिकाः सारमेयस्य पुच्छगति विज्ञाने नवज्ञानं प्रकाशयन्ते।
 होलिकावसरे वैरभावं विहाय परस्परमेलनं कुर्वन्ति।

7. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- इत्युक्त्वा = इति + उक्त्वा

तच्छुत्वा = तत् + श्रुत्वा

8. निम्नलिखित अवतरण का अर्थ लिखिए-

मुण्डस्पर्श युक्तकर्णेन मन्वति कथयति।

उत्तरम्- अर्थ- यदि आप सिर से लगे कान वाले, दृढ़ शरीर और दृढ़ पूँछ वाले किसी भी कुत्ते को देखते हैं तो शीघ्र ही वह स्थान छोड़ देना चाहिए। अन्यथा कष्ट भुगतने के लिए सावधान रहना चाहिए। वहीं यदि कोई नीचे कान वाला कुत्ता मुझी हुई पूँछ से झाड़ू-सी करता हुआ अर्थात् हिलाता हुआ दिखाई देता है तो जान लो कि यह उसकी विनम्रता की पराकाष्ठा है। वह मन में कहता है कि आप जानते हैं! मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई।

सप्तदशः पाठः

17

दयावान् नरः

अध्यात्मकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) कपोतः एकेन आखेटकेन बाणेन बिद्धः। (ख) कपोतः वृक्षात् भूमौ अपतत्।

(ग) कपोतः नरात् भीतः अभवत्।

(घ) नद्याः तटे गत्वा नरः तस्याः जलं नीत्वा कपोतस्य रुद्धिरं प्रक्षालयत् चिकित्सां च अकरोत्।

(ङ) कपोतः हस्तात् आकाशे उत्पत्तत्।

(च) प्रत्यागमन समये नरः कपोतं गृहीत्वा आगतः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) आखेटः ग्रामात् बहिः वनम् आगत्य बाणेन कपोतेमेकम् अहनत्।

(ख) सः तम् उत्थानाय प्रयत्नम् अकरोत्।

(घ) सः कपोतं हस्तात् पिञ्जरे स्थापितम्।

(ग) नरः बाणं तस्य शरीरात् बहिः कृतः।

(ङ) कपोतः नरस्य हस्तात् आकाशे उत्पत्तत्।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) सः ग्रामाद् बहिः गच्छति।

(ख) सः वृक्षात् अपतत्।

(ग) कपोतस्य चेतना प्रत्यागता।

(घ) कपोतः आकाशात् अपतत्।

(ङ) खगः हस्तात् आकाशे उत्पत्तत्।

(च) यूर्यं पर्वतात् आगच्छथ।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) कबूतर उस मनुष्य से डर गया।

(ख) उसके शरीर से खून निकलता है।

(ग) तोता पेड़ से भूमि पर गिर पड़ा।

(घ) कबूतर आकाश से भूमि पर गिरता है।

(ङ) पक्षी पिञ्जरे से उड़ गया।

(च) आकाश से ओले गिरते हैं।

(छ) तुम सब घर से चलो।

5. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए-

उत्तरम्- (क) एकस्मिन् वृक्षे एकः कपोतः वसति स्म।

(ख) बालकः गृहात् भूत्वा आगच्छति स्म।

(ग) आखेटकः बाणेन कपोतम् अहनत्।

(ड) कपोतः आकाशे उत्पत्तिः।

(छ) कपोतः पिञ्जरात् उङ्गीयते।

6. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- नद्यातटे = नद्याः + तटे

पञ्चदिवसात् = पञ्च + दिवसात्

7. निम्नलिखित तालिका को उदाहरणानुसार पूरी कीजिए-

उत्तरम्- लता	लतया	लताभ्याम्
गंगा	गंगया	गंगाभ्याम्
निशा	निशया	निशाभ्याम्
कला	कलया	कलाभ्याम्
बाला	बालया	बालाभ्याम्
रमा	रमा	रमाभ्याम्

(घ) आहतः कपोतः आकाशत् भूमौ अपतत्।

(च) सः कपोतम् उत्थाय गृहे नयति।

प्रत्यागमन = प्रति + आगमन

कपोतमकेम् = कपोतम् + एकम्

अष्टादशः पाठः

18

श्रैयः सत्ये प्रतिष्ठितम्

अथ्यास्तकण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) यदा तस्य कुठारः जले निमज्जितः तदा सः मुक्तकण्ठम् अरोदीत्।

(ख) सुवर्णमयं कठारम् आदाय वरुणः पृच्छति यद् किमयं ते परशुः?

(ग) तस्य पुरुषस्य सरलतां दृष्ट्वा वरुणः सुवर्ण-रजतौ द्वौ कुठारौ तस्मै पारितोषकत्वे ददौ।

(घ) कुटिल पुरुषः सुवर्णमयं कुठारं दृष्ट्वा उवाच यत् बाष्म अयमेव मम कुठारः इति।

(ड) कुटिलः पुरुषः स्वकुठारमपि न अप्राप्नोत्।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) तस्य विलापं श्रुत्वा वरुणः आविरासीत्।

(ख) तृतीये उन्मज्जने तस्य नष्टं कुठारं गृहीत्वा उदगच्छत्।

(ग) तदा तस्य पुरुषस्य सरलतां दृष्ट्वा संतुष्टो वरुणः सुवर्ण-रजतौ द्वौ अपि कुठारौ तस्मै पारितोषिकत्वेन ददौ।

(घ) कश्चित् कुटिलो मनुष्यः सरितं गत्वा स्वकीयं कुठारं बुद्धिपूर्वकं सलिले अपातयत्।

(ड) तदा वरुणस्तं निर्भत्स्य सुवर्णकुठारम् अदत्त्वा तस्य कुठारमपि तस्मै न ददौ।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) उसका विलाप सुनकर वरुणदेव प्रकट हुए।

(ख) अरे! क्या यह है तुम्हारी कुल्हाड़ी?

(ग) यह भी मेरी नहीं।

(घ) उसने उसे प्रसन्नता से स्वीकार किया।

(ड) इस प्रकार कहकर लोभ से वरुण देव के हाथ से उसे लेने के लिए तैयार हुआ।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) सहसा कुठारः जले अपतत्।
 (ग) वरुणदेवः सुवर्णकुठारं हस्ते आदाय आगच्छत्।
 (ड) आम्, अयं मम कुठारः अस्ति।
- (ख) वरुणदेवः जले प्रविष्टः।
 (घ) सः अकथयत्-“अयं मम नास्ति।”
5. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना संस्कृत में कीजिए-
- उत्तरम्- (क) शाखां लुनतः तस्य कुठारः सरोवरे अपतत्।
 (ग) द्वितीये उन्मज्जने रजतकुठारं नीत्वा आगच्छत्।
 (ड) सः वरुणस्य हस्तात् तं कुठारं नेतुं प्रवृत्तः।
- (ख) वरुणः जलान्तः प्रविश्य तस्य कुठारम् आनयत्।
 (घ) दुष्टः ग्रामीणः सलिले स्वकुठारम् अपातयत्।
 (च) सः दुष्टः स्वकुठारमपि न अप्राज्ञोत्।

6. निम्नलिखित शब्द रूपों के लिङ्ग, विभक्ति एवं वचन पहचानिए-

उत्तरम्-	शब्द रूप	लिङ्ग	विभक्ति	वचन
(क)	मुक्तकण्ठम्	पुलिङ्गः	प्रथमा	एकवचनम्
(ख)	कुठारौ	पुलिङ्गः	द्वितीया	द्विवचनम्
(ग)	सलिले	नपुंसकलिङ्गः	सप्तमी	एकवचनम्
(घ)	तम्	पुलिङ्गः	द्वितीया	एकवचनम्
(ड)	हस्तात्	पुलिङ्गः	पञ्चमी	एकवचनम्

7. निम्नलिखित पदों में संधि कीजिए-

- उत्तरम्- (क) जलम् + अभजत् = जलमभजत्
 (ग) मत् + इयम् = मदीयम्
 (ड) तत् + अगच्छत् = तदगच्छत्
- (ख) जल + अन्तः = जलान्तः
 (घ) उत् + अगच्छत् = उदगच्छत्

8. निर्देश के अनुसार धातु रूप लिखिए-

उत्तरम्- (क)	अरोदीत्	अरोदताम्	अरुदन
(ख)	कथयसि	कथयथः	कथयथ
(ग)	पृच्छ	पृच्छतम्	पृच्छत
(घ)	पतिष्यसि	पतिष्यथः	पतिष्यथ
(ड)	ददानि	दद्वः	दद्वः

नवदशः पाठः

19.

विद्यायाः महिमा

अध्यायस्कृण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- (क) मातेव विद्या रक्षति।
 (ग) विद्या व्यये कृते वर्धते।
 (ड) पात्रात् धनमारजोति।
- (ख) विद्या विनयं ददाति।
 (घ) विद्या पितेव हिते नियुड़क्ते।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विनयात् याति पात्रताम्।
 (ख) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।
 (ग) किं किं न साधयति कल्पलतने विद्या।
 (घ) मातेव रक्षति पितेव हिते नियुक्ते।
 (ड) व्ययतो वृद्धिमायाति क्षयमायाति सञ्चयात्।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विद्या विनम्रता देती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होता है।
 (ख) विद्या का धन सब धनों में प्रधान धन है।
 (ग) विद्याहीन के लिए उच्च अथवा बड़े कुल का होने से कोई लाभ नहीं है।
 (घ) व्यय करने से यह प्रतिदिन बढ़ती ही है।
 (ड) व्यय करने पर वृद्धि को प्राप्त होती है और इकट्ठा करने से नष्ट होती है।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) विद्या विनम्रता आयाति।
 (ख) विद्या दानेन वर्धते।
 (ग) दानेन क्षयमायाति।
 (घ) विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् अस्ति।
 (ड) लक्ष्मी सर्वतः कीर्तिं वर्धते।

5. शुद्ध वाक्यों के सामने 'हाँ' तथा अशुद्ध वाक्य के सामने 'नहीं' लिखिए-

- उत्तरम्- (क) हाँ (ख) नहीं (ग) नहीं (घ) नहीं

6. निम्नलिखित पदों में लिंग, विभक्ति और वचन लिखिए-

उत्तरम्- यथा	मूल शब्द	लिङ्ग	विभक्ति	वचनम्
कीर्तिम्	कीर्ति	स्त्रीलिंग	द्वितीया	एकवचन
येषाम्	यत्	पुल्लिङ्ग	षष्ठी	बहुवचन
भुवि	भुवि	स्त्रीलिङ्ग	सप्तमी	एकवचन
विनयात्	विनयः	पुलिङ्ग	पञ्चमी	एकवचन
मनुयरुपेण	मनुष्यरुपम्	नपुंसकलिङ्ग	तृतीया	एकवचन

7. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- विद्या सञ्चयात् नश्यति। विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।
 लक्ष्मी दिक्षु कीर्ति वित्तोति। विद्या कान्तेव दुःखान् दूरी करोति।
 विद्या व्यये कृते वर्धते। भारते: कोशः अपूर्वः अस्ति।

8. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

- उत्तरम्- (क) वर्जयेत्तादृशम् = वर्जयेत् + तादृशम्
 (ख) यन्मित्रम् = यन्मित्र् + म
 (ग) मित्रमेव = मित्रम् + एव
 (घ) ह्येकेन = ह्येके + न
 (ड) गतिर्भवेत् = गतिः + भवेत्
 (च) एकेन = एके + न

9. निम्नलिखित सूक्तियों का अर्थ लिखिए-

- उत्तरम्- (क) विद्या बाद में सुख देती है।
 (ख) विशालकुल से कोई लाभ नहीं, वह पूजा जाता है।

अ॒ष्ट्या॒स्त्कृ॒ण्ठी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए-

उत्तरम्- (क) ऋषिः वाल्मीकिः।

- (ख) संस्कृतस्य आदिकविः वाल्मीकिः।
- (ग) ब्रह्म।
- (घ) स्वशिष्यैः सह।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

उत्तरम्- (क) सहचरस्य वियोगेन व्याकुलितायाः क्रौञ्च्याः रोदनं श्रुत्वा तस्याः दयनीयां दशां च दृष्ट्वा ऋषिः द्रवितोऽभवत्।

- (ख) वाल्मीकिः स्नातुं तमसानधाः तीरम् अगच्छत्।
- (ग) ब्रह्म आकाशवाण्या वाल्मीकिं रामायणं रचयितुम् आदिशत्।
- (घ) वाल्मीकिना श्लोकबद्धा रम्या रामायणी कथा लिखिता।
- (ङ) वाल्मीकिः क्रौञ्च्याः रोदनम् अशृणोत्।

3. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) एक बार शिष्यों के साथ नहाने के लिए गए।

(ख) दयालु ऋषि पिघल गए।

- (ग) वाल्मीकि ने रामायण कथा लिखी।
- (घ) ब्रह्मा ने आकाशवाणी ने ऋषि को आदेश दिया।

(घ) ये कवि आदिकवि कहलाते हैं।

4. निम्न पदों में विभक्ति व वचन लिखिए-

उत्तरम्-	पद	विभक्ति	वचन
(क)	शिष्यैः	तृतीया	बहुवचन
(ख)	नधाः	पञ्चमी/षष्ठी	एकवचन
(ग)	अयम्	प्रथमा	एकवचन
(घ)	यानि	प्रथमा	बहुवचन
(ङ)	तद्रचना	प्रथमा	एकवचन

5. निम्न पदों में उपसर्ग को अलग करें-

उत्तरम्- (क)	वियोगेन	वि	(ख)	व्याकुलितायाः	वि	(ग)	उन्मुखः	उत्
(घ)	अनुसरणम्	अनु	(ङ)	आदेशः	आ	(च)	उपागता	उप
(छ)	प्रयोग	प्र						

6. निम्न पदों में धातु और प्रत्यय अलग कीजिए-

उत्तरम्- (क)	स्नातुम्	स्ना	तुमुन्	(ख)	अनुसरणम्	अनुस्	तुमुन्
(ग)	श्रुत्वा	श्रु	कृत्वा	(घ)	वर्णितानि	वर्णित	आनि
(ङ)	विदित्वा	विद्	कृत्वा	(च)	लिखिता	लिख्	कृत

अध्यायस्कृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) ग्रामीणः जनाः प्रायेण कृषकाः भवन्ति।

(ग) तत्र ग्रामे एकैव रथ्या अस्ति।

(द) ग्रामं परितः गोचारणभूमिः अस्ति।

(ख) कृषकाः क्षेत्राणि कर्षन्ति।

(घ) तत्र ग्रामे द्वौ प्राथमिकौ विद्यालयौ स्तः।

2. उचित पद छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) अस्माकं ग्रामः नगरात् नातिदूरे वर्तते।

(ख) तत्र बीजानि वपन्ति।

(ग) ग्रामीणः जनाः प्रायः कृषकाः भवन्ति।

(घ) ते च गृहान् परितः शाकादीन्यापि उत्पादयन्ति।

(द) तत्र बालकाः क्रीडन्ति।

(च) अस्माकं ग्रामे एकः औषधालयः अपि अस्ति।

(ष) अन्ना नाना प्रकाराः वृक्षाः शोभन्ते।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) कृषकाः हलेन क्षेत्राणि कर्षन्ति।

(ख) मम ग्रामे एका कुल्या अपि अस्ति।

(ग) ग्रामीणः प्रायः कृषकाः भवन्ति।

(घ) ते तत्र बीजानि वपन्ति।

(द) ग्रामं परितः वृक्षाः सन्ति।

(च) अजा तुणं चरति।

(ष) अहं ग्रामे गच्छामि।

4. हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) बैल और बकरियाँ घास चर रही हैं।

(ख) यहाँ नाना प्रकार के वृक्ष शोभित होते हैं।

(ग) वैद्य रोग से पीड़ित लोगों को देखकर दवाई निःशुल्क बाँटते हैं।

(घ) ग्रामीण लोग प्रायः किसान होते हैं।

5. दूसरा अनुच्छेद पढ़िए और निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

उत्तरम्- (क) ग्रामेषु क्षेत्राणि परितः वारिणः पूरिताः कुल्याः सन्ति।

(ख) कृषकाः स्वक्षेत्राणि हलेन कर्षन्ति।

(ग) कृषकाः स्वगृहाणि परितः शाकादीनि रोपयन्ति।

(घ) श्रमशीलाः जनाः धान्यादिकम् उत्पादयन्ति।

6. निम्न वाक्यों को भूतकाल में बदलिए-

उत्तरम्- (क) कृषकाः कार्यम् अकुर्वन्।

(ख) आवाम् अखादाव।

(ग) छात्रः विद्यालयम् अगच्छत्।

(घ) ग्रामीणाः जनाः कृषकाः अभवन्।

(द) एका चटका अस्मिन् वृक्षे अतिष्ठत्।

7. निम्नलिखित क्रियाओं को भूतकाल में बदलिए-

उत्तरम्- पठति - अपठत्

नमन्ति - अनमन्

रक्षति - अरक्षत्

चलन्ति - अचलन्

नृत्यति - अनृत्यत्

वसति - अवसत्

पश्यति	- अपश्यत्	कर्षति	- अकर्षत्
धावति	- अधावत्	नयन्तु	- अनयन्
भवन्ति	- अभवत्	क्रीडन्ति	- अक्रीडन्

8. निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द विभक्ति और वचन लिखिए-

उत्तरम्- यथा- पद	मूल शब्द	विभक्ति	वचन
	वृद्धानाम्	वृद्धः	षष्ठी
(क) नेत्रैण	नेत्रम्	तृतीया	एकवचन
(ख) नरस्य	नरः	षष्ठी	एकवचन
(ग) ग्रामेषु	ग्रामः	सप्तमी	बहुवचन
(घ) कृषकाणाम्	कृषकः	षष्ठी	बहुवचन
(ङ) हलेन	हलम्	तृतीया	एकवचन

9. अव्यय पदों को छाँटकर लिखिए-

उत्तरम्- यथा- बालकः गृहे एव पठति। एव

(क) कुत्रि, (ख) अत्र, (ग) तत्र, च (घ) अति, (ङ) एव

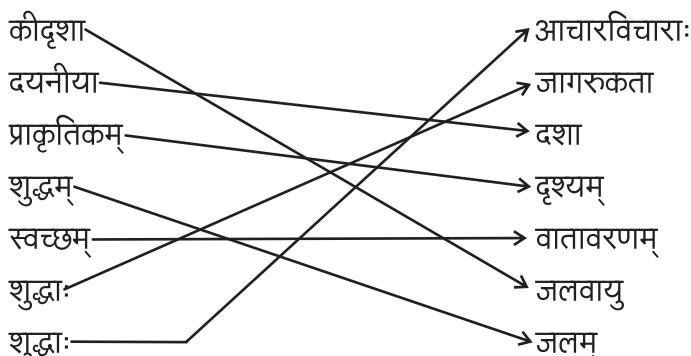
10. निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क) एकैव	एका	+	एव	(ख) धान्यादि	धान्य	+	आदि
(ग) वैज्ञानिकोपकरणानाम्	वैज्ञानिक	+	उपकरणानाम्	(घ) औषधालय	औषध	+	आलय

11. विशेषण व विशेष्य को मिलाइए-

उत्तरम्- विशेषण

विशेष्य



द्विविंशतिः पाठः

22

दीपभालिकौत्सवः

अ॒श्वस्त्र॒कृष्टी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

उत्तरम्- (क) कार्तिकमासस्य अमावस्यायां तिथौ दीपावली उत्सवः भवति।
(ख) जनाः दीपान् प्रज्वाल्य गृहेषु, मन्दिरेषु द्वारेषु च स्थापयन्ति।

(ग) अस्य उत्सवस्य सन्देशः अस्ति यत् वयम् अविद्यान्धकारं विनाश्य स्वजीवने प्रकाशं कुर्याम।

(घ) अस्मिन् दिनं देव्याः लक्ष्म्याः पूजनं क्रियते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- (क) अस्माकं भारतवर्षः उत्सवानां पर्वणां च देशः वर्तते।

(ग) अस्मिन् दिने लक्ष्म्याः पूजनं भवति।

(ख) इदं पर्व कार्तिक मासस्य अमावस्यायां भवति।

(घ) सुधाध्वलितानि गृहाणि नववधूरिव भासन्ते।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- (क) अस्माकं भारतवर्षः उत्सवानां देशः अस्ति।

(ख) बालकाः अस्मिन् दिने प्रसन्नाः भवन्ति।

(ग) दीपावली अन्धकारस्य उपरि प्रकाशस्य विजयं प्रदर्शयति।

(घ) दीपावली उत्सवः कार्तिक मासस्य अमावस्यायां भवति।

(ड) रात्रौ गणेशेन सह लक्ष्म्याः पूजा क्रियते।

(च) द्वितीये दिने प्रातःकाले गोवर्धनपूजा भवति।

4. सन्धि-विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- (क) महोत्सवेषु = महा + उत्सवेषु

(ख) अविद्यान्धकारम् = अविद्या + अन्धकारम्

(ग) सूर्योदयः = सूर्य + उदयः

(घ) हर्षोल्लासम् = हर्ष + उल्लासम्

5. प्रथमः अनुच्छेदः हिन्दीभाषायाम् अनुवादं कुरुत-

उत्तरम्- अस्माकं भारतवर्षः अमावस्यायां भवति।

अनुवाद-हमारा भारतवर्ष उत्सवों और पर्वों का देश है। यहाँ प्रचलित महान उत्सवों में दीपावली का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। ऐसा सुना जाता है कि इसी दिन त्रेतायुग में मर्यादापुरुषोत्तम श्रीरामचन्द्र पिता की आज्ञा का पालन करते हुए चौदह वर्षों तक वन में रहकर राक्षस राज रावण को मारकर सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। उस समय अयोध्यावासियों ने दीपों की पंक्ति जलकार उनका अभिनन्दन किया था। इसीलिए यह पर्व दीपावली नाम से मनाया जाता है। यह पर्व कार्तिक मास की अमावस्या में होता है।

6. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- (क) अस्माकं भारतदेशः पर्वणां देशोऽस्ति।

(ख) जनाः श्रीरामस्य अभिनन्दनं दीपानाम् अवलों प्रज्वाल्य अकुर्वन्।

(ग) रात्रौ गृहाणि वधूरित शोभन्ते।

(घ) जनाः द्वारेषु दीपान् स्थापयन्ति।

(ड) अयमुत्सवः हर्षोल्लासं जनयति।

ब्रयविंशतिः पाठः

23

परिशिष्टः (शब्द रूप)

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।